



0306 305147



विक्राण्य विलेन्स

विलेन्स मुद्रा	: रु. 17.28.537/-
परमाणु मुद्रा	: रु. 10.15.620/-
त्रिशूल मुद्रा	: रु. 1.72.905/-
पत्रगामा	: विवरीन

आर विक्राण्य विलेन्स श्रीमती कान्ती देवी केरा उद्योगालि
महामुद्रा, ललानक लिन्गे आगे विक्रीतागण कडा गया है, इथन
गिरावचु पुत्र श्री एवाम लाल निवारी-साम य पोर्ट-शिवलक्षण



१५५७-१५६

$\frac{1}{2} \leq \alpha \leq 1$

卷之三

1

卷之三

200 17-02-2011

卷之三

—
—
—

卷之三

160

• 100 •

卷之三

— 19 —

中學

卷之三

卷之三

1990-1991

2000-01

— 3 —



0300-305148

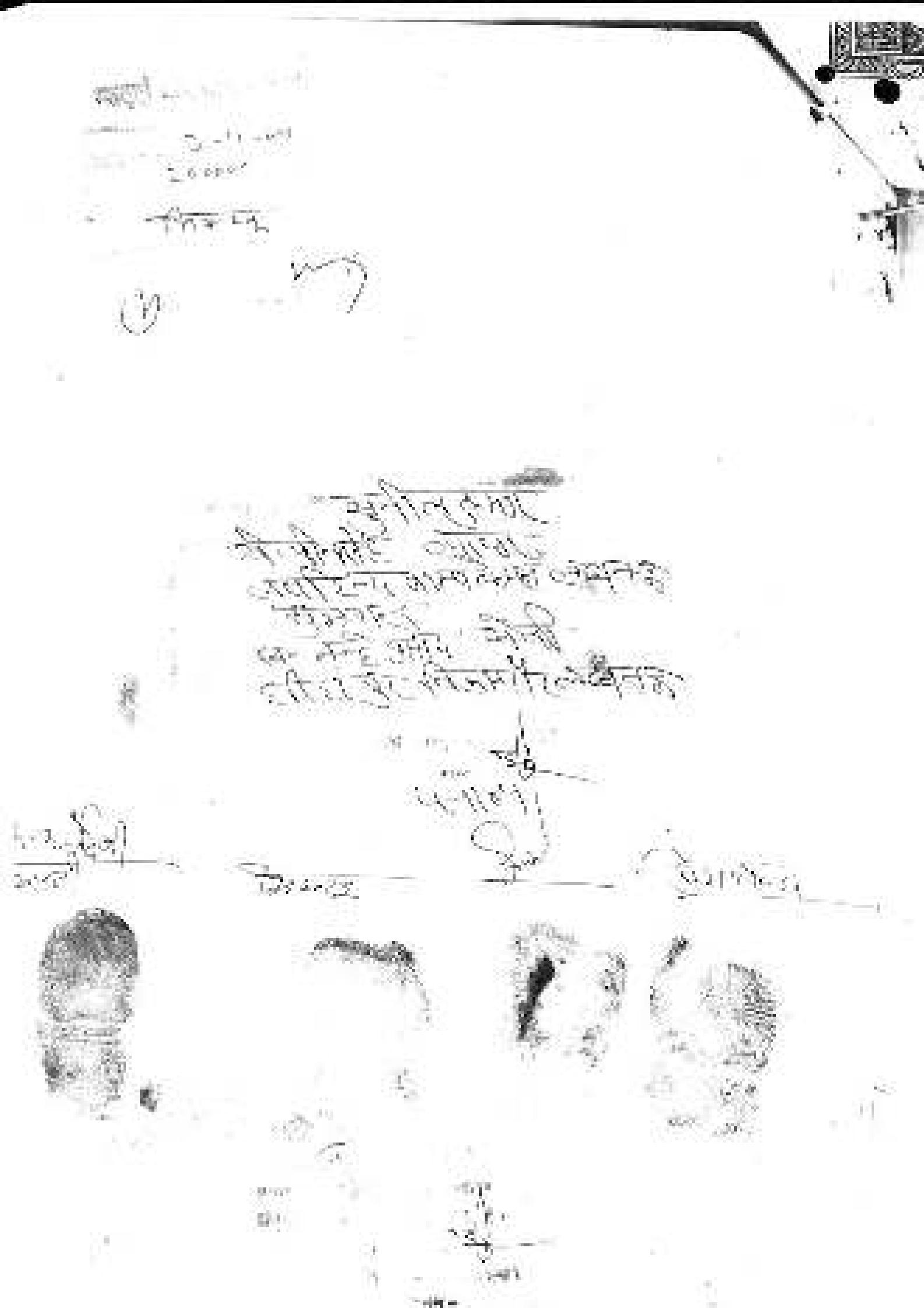


2

जिला फस्तोल्पुर जिसे आगे बढ़ाया गया है, ये सब निष्पादित
किया गया।

लहु कि खिलेतागण भूमि लासरा 476, 374, 423, 357
ग्रहन रखन्ना 1,852 हेक्टेअर. को 112 भाग असाई 0.925 हेक्टेअर.
सिधत ग्राम मुजाहिद नगद पुस्तकल, पट्टगाठ - बिजनीह, लहरील ग
लिला, लक्ष्मनऊ, का नालिया, फारिल य करविज हैं तथा उपरीकां

Chit - Shanti





0000 305149

साम्यापिता शहदाविकाल ज्ञाना अनीनी क्रम लाल्या ३० के अनुसार
भूमि विक्रीतागण के नाम का अन्त दरामद एवं स्व अभिलेखों में हो
जाया है। विक्रीतागण अपना सम्पूर्ण हिस्सा लेना को इटा चिन्ह
विलेप्त द्वारा चिन्ह दिया गया है विक्रीतागण उपरीज्ञ सम्पूर्ण भूमि
के मालिक, यामिल व जाकिज हैं एवं पर्याप्त समय में उन्हें भूमि
पूर्ण भूमि है और उन को विक्रीतागण यह धोखा बढ़ाता है जि

विक्रीतागण
को अपनी भूमि

पूर्ण भूमि



H 000 305 F 50

३०५ फॉर्म

१९६४
१९६४

उपरोक्त विणां भूमि जमी इकाई के माटों से मुश्त एवं पान ज
साक है तथा निलेनागण ने उसे इस विकास के बहु बहु अद्य,
हिंग, गिरधी या अनुभवित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि
या उक्ता लोहे भाग किसी व्यावालय या जट्काटी कावयाही के
अन्तर्गत विषय या वस्तु विषय नहीं है, वही लुक़ह हृत्यादि है।
निलेनागण के अताम उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति वा रघु

लोकों के लिए उपयोग नहीं है।

प्रियोग



Page 10513

हक का बाला हत्यादे नहीं है, एवं विक्रेतागण को उपरा विक्रय अन्तरण यस्ते का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त लक्षणों के समर्थन स्वरूप ₹० ११,३८,५३७/- (सौवर्ह लाख अष्टावीस रुपाएवं चारी सौशाश्वर हजारचाह) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त अंक द्वारा विक्रेतागण जी इस विलोक्त के अन्त में दो गई अनुदृश्य में गर्भित थिए को अनुसार गुणान काट दिया गया है एवं जिसकी



GB/T 36915-2018

1

प्रारंभ की विद्योतागण यही लीकाट बनता है। तदनुसार उक्त विद्योतागण उक्त लेख के हाथ उपरोक्त वर्णन भूमि, जिसका विधान इस विकल्प विलेच्छ के अन्त ने अनुरूपी के अन्तर्गत दिया गया है, को गतार्द रूप दिया है, एवं विद्योतागण ने विकाशशुद्धि त्रुटि का गीले पर वर्णन करता को बल्की यहाँ विद्या गया है। अब उक्त प्रारंभी पर विद्योतागण तथा उसके वास्तव में योह अधिकार

~~QV 19-11-1941~~ 28 Dec 1941

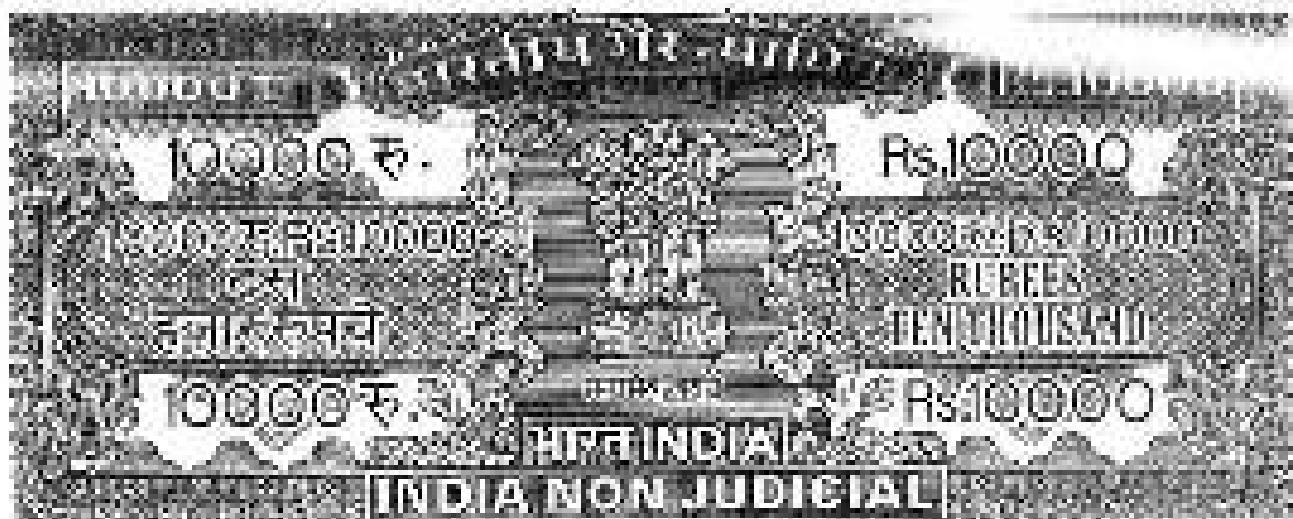


INCC 303150

- 7 -

नहीं है। विश्वेताग्रण ने विकल्पशुद्ध सम्बलि को अपने स्वामित्व के समर्थन आधिकारी के लाभ पूर्णतया व इमेशा के लिए छेत्रा के हासिलानि कर दिया है। अब छेत्रा विकल्पशुद्ध लभ्यति एवं छसके प्रत्येक भाग को अपने एवग्नात्र स्वामित्व व आधिकार व छस्ने में सम्बलि के राग से पारण एवं उपचोर व उपचोर करेगे। विश्वेताग्रण उच्चारे पिंडा प्रकार की अद्वयन यात्रा नहीं जात रहीं।

—१८—
—१९—
—२०—



- 5 -

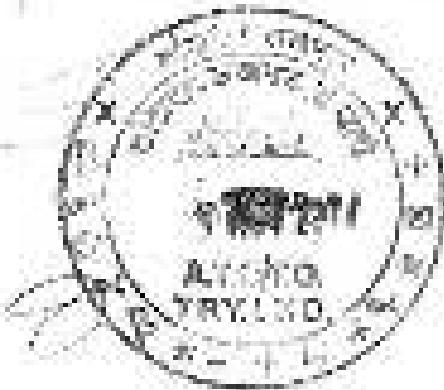
ध्य न ही कोई मांग कर राखें। और यदि विक्रमाशुद्धा तथा लिंगाशुद्धा कोई भाव विद्युताग्रण के स्थानिति में जुटि के कारण आ कल्पनी अद्यता या कल्पनी जुटि के कारण फँसा तो उसके बाहिरात निष्पादित इन्डिक्टि के कल्पना तो अधिकार या लालू के निकाल जाये तो लेता ही याहस्तान, लिंगाशुद्धाग्रण इन्डिक्टि को यह हुक होना कि वह अपना समझ गुकदान यह द्वारा य लाया,

१०००० रुपये
पंचांग संदर्भ
हस्ताक्षर

5000 Rs.



1893



विजेतागण की वल, अम्बल सम्पति तो जटिने आदालत बरूज कर दे। उस विश्व में विजेतागण एवं उसके यादिसाम छलों न चाहा हों ऐसु बाध्य होगा।

यह कि ऋता विजेतागण दम्पति की दाढ़िया दारिज दामख भगिलम्भों गे अपने नाम दजं यदा तो विजेतागण को कोई आपहित न होगी और यह कि इस विजेता विलेख के पूर्ण वर्ण



5000 Rs.



18933



- 10 -

आगरे कोहूं बकराया यिक्का तरह कल खाट इस सम्पत्ति पर होता नी
त्तराहो निश्चेतनाण भुगतान य बहुने करेगे, विश्वेतागण यतो करोह
आपत्ति न होती।

वह कि उग्रोदया व्यसदा नमर प्राय पुनर्जागर नगर पुरुषल,
अधिनगरीय संघ के विकास प्राप्त के अन्तर्गत आता है इससे ह
निर्माणित सर्टिफिल रेट रुप 11,20,000/- द्वारा हुक्मदाता के द्वितीय



5000Rs



189337

- 11 -

ले गिलोत भूमि 0.926 एकड़अर की मालिशत रुप 10,16,600/-

होती है। तथा निकट घूँड, गुर्जि की बाजार घूँड से अधिक है

हल्लिए नियमनुसार निकट घूँड पट हो रुप 1,73,900/-

आगरा स्थाप अदा किया जा रहा है। यह विद्युतोदय विकास

भूमि व्यविधि के उपचार के लिए इन्हीं जी आ रही है। हता गुर्जि वं

कोहु लुधिया, नालाल, ग निर्गाँव आदि जारी है, तथा 200 भी 46



Central Bank of India
Mumbai

189337

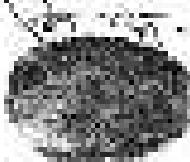
5000Rs.



139356

-12-

अधीक्षण में कोई नियंत्रण नहीं है जिसका अभियन्ता लिखक भारी राजमार्ग या उपराजमार्ग पर स्थित नहीं है। जिसका अभियन्ता अनुसृति दोनों अनुसृति वाली रेलवे स्टेशन पर स्थित है। जिसका अनुसृति दोनों अनुसृति वाली रेलवे स्टेशन पर स्थित है। इस अधीक्षण के सिवाय जल समस्त अन्य घटाएँ गहन किया जाता है।



काशी नगर रेलवे स्टेशन
काशी नगर रेलवे स्टेशन

1000R5



परिचय : विवरण विश्वासक सम्पत्ति का विवरण

નુગી સ્વાતા 475, 374, 423, 357 બલ રામ 1352

ਹੋਰਦੇਂਅਰ, ਲੋ 112 ਗਾਗ ਅਥਵਾ 0.226 ਕੋਨ੍ਵੈਂਟ ਕਿਲੋ 100

मुख्यमन्त्री नाम सुमित्र, परगणा लिखनीर नहसील न जिला
लक्ष्मनल, जिसकी डोलद्वी निम है।



1000Rs.



लोकाना नम ३७५ रुपया ०.६४५ लेवर्टर

पूर्ण

छात्रा संख्या- ५१२, ५१३

पश्चिम

छात्रा संख्या- ४३०, ४७७

दक्षिण

छात्रा संख्या- ५११

हिंसिण

छात्रा संख्या- ३७४

1000Rs



असार २० ३७४ मुख्या ०.५ लोटीगड

पूर्व : समस्ता संख्या-३७३, ३७२

गलिवर्म : समस्ता संख्या-३७५

क्रान्त : समस्ता संख्या-३७३

दक्षिण : समस्ता संख्या-३७२

500Rs



- 11 -

लेटर नं 420 दिन 1.05.1947

पुरुष

जलदा संख्या-430

पश्चिम

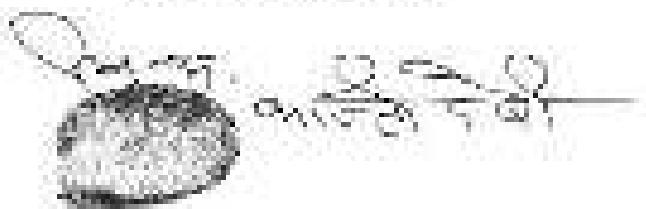
जलदा संख्या-416

तालार

सुनुक नाइ गणितानन्द लीमा

दक्षिण

जलदा संख्या-428



५००-११

100 R.



1

અને 357 દૂરોળી 9.707 ક્રમાંકુણ

159

असरा संख्या-३६६

三

प्राचीन लंगो-३२

202

प्रकाशन संख्या-360

三

प्रकाशन संख्या-356



- 18 -

परिशिष्ट : मुग्धान विवरण

मुख्य विवाह गृह्य विभेदाग्रण यो रु 17,38,537/- (सत्त्वां
लाला अद्यतिं हजार पाँच सौ सेतीक रुपवा) सत्त्वा से प्राप्त हुए
ज्ञान विस्तृत जाकि विभेदाग्रण लाभकार करते हैं।



100Rs



19-

लिहाजा न्याय विकास यन्त्र द्वारा विनोदागण से जीता के पहले में
सम्बन्धीय गवाहान इसका विनाश जीता द्वारा की, व उचित विलम्ब से



३५४२८३

100Rs.



- 211 -

मही नरसा में लिल दिला ताकि साक्ष रहे औ
आवश्यकता पड़ने पर काम आये।



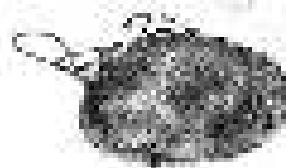
लक्ष्मणकुमार

दिनांक: 03.11.2004

गवाह

1. *S. P. Singh & Sons T. P. Singh*
5/30, New Market, Dehradoon
West Bengal, India

प्रियोनीगांग



प्रियोनीगांग

स्थान

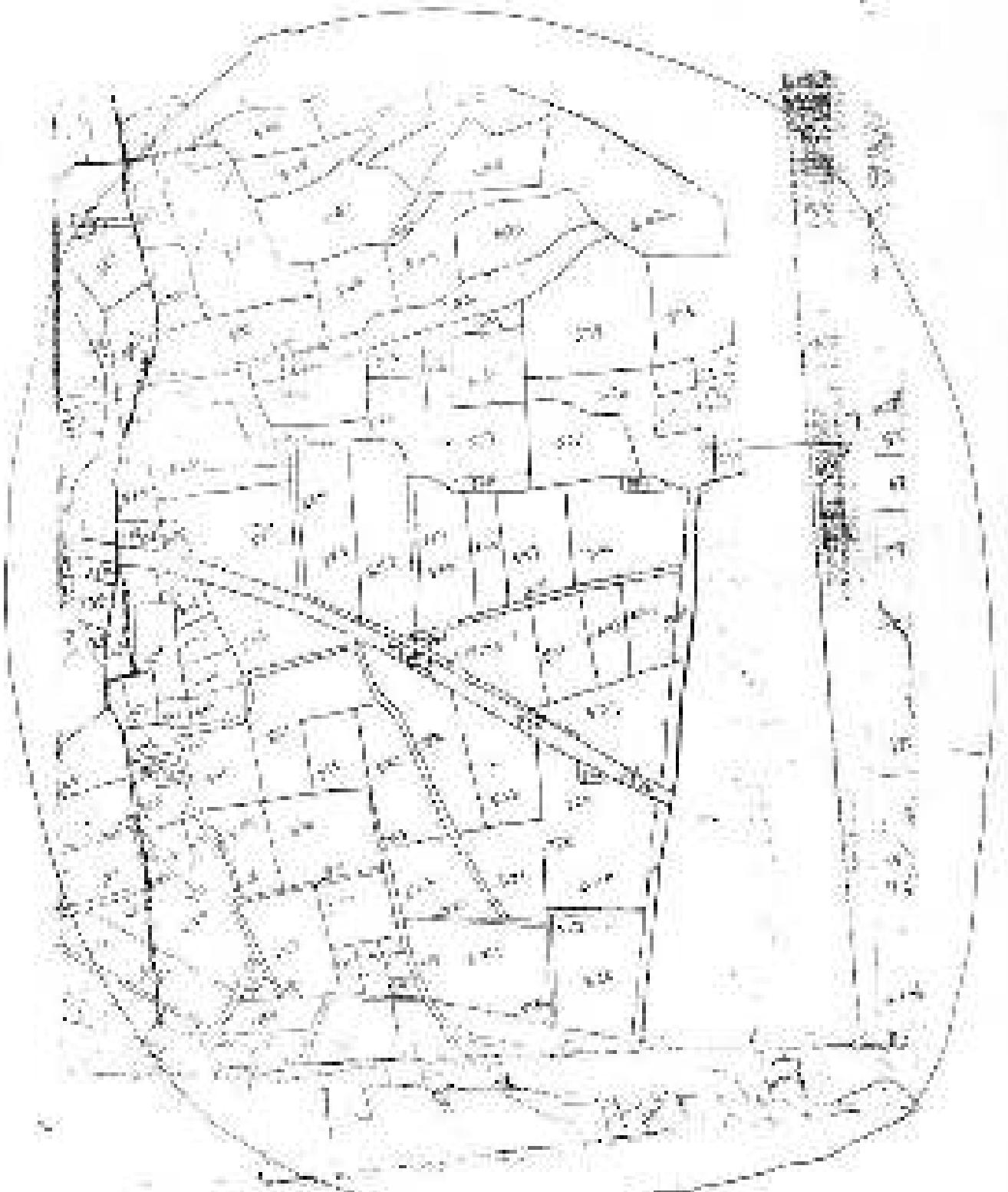
2. *प्रियोनीगांग रोड, देहरादून*
उत्तर प्रदेश, भारत

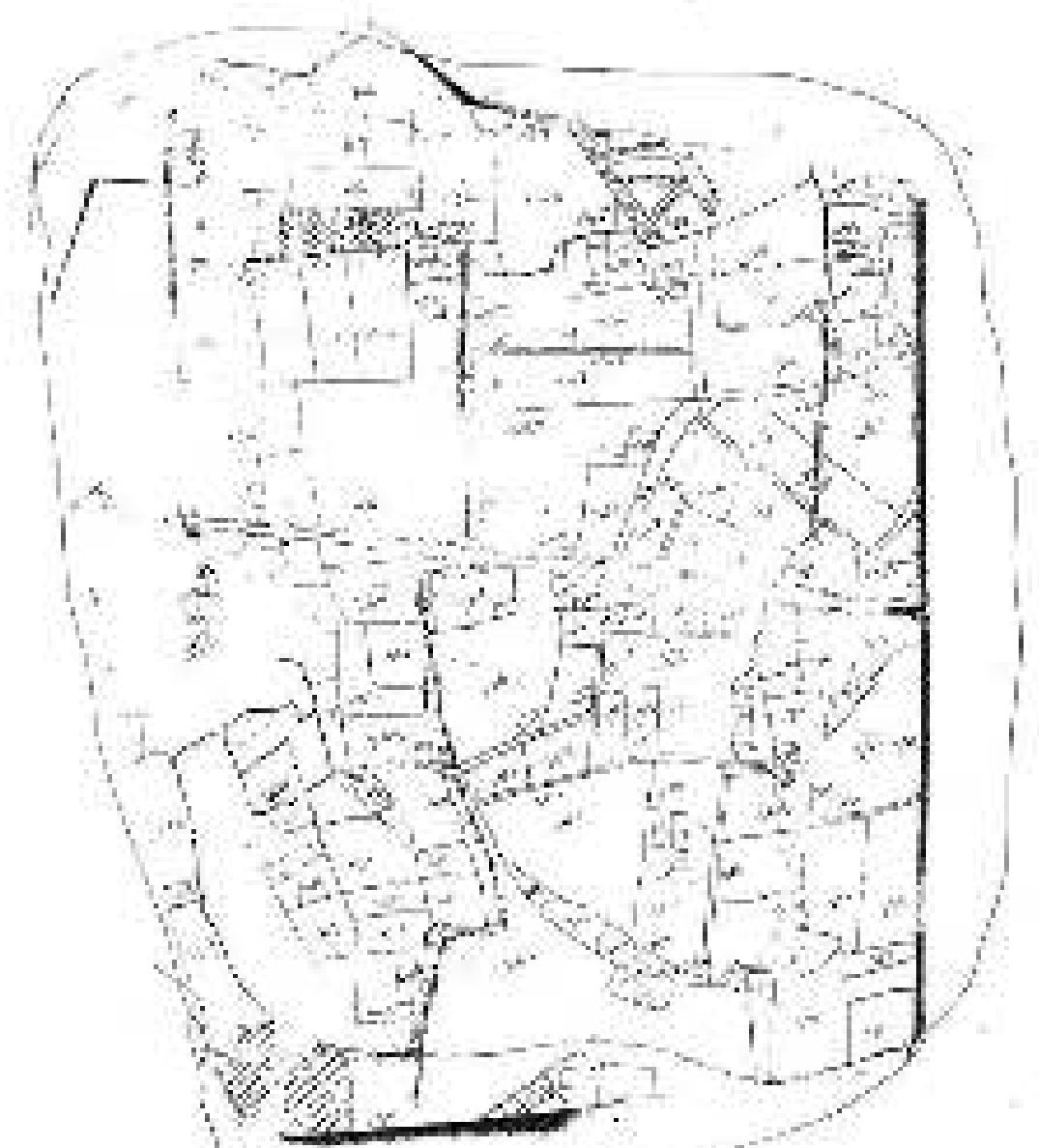
टाइपरी

संग्रहीत

निवासियों

प्रियोनीगांग





1000

1000

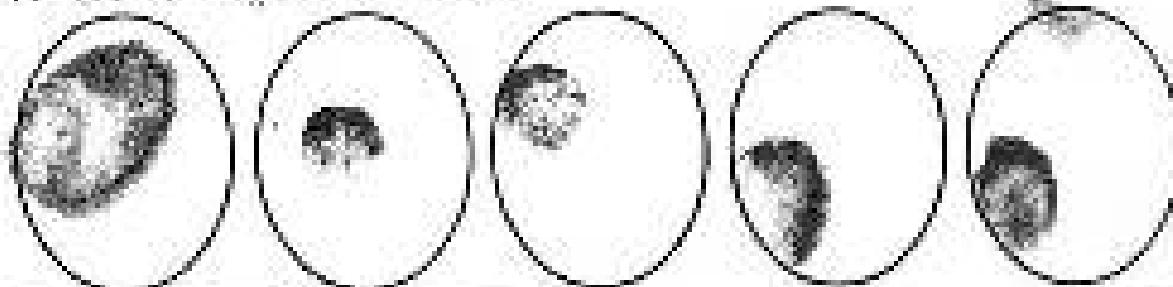
1000

राजस्त्रौशाल अधिनियम 1928 की धरा 32ए के अनुपालन
हेंड फिंगर प्रिन्ट्स

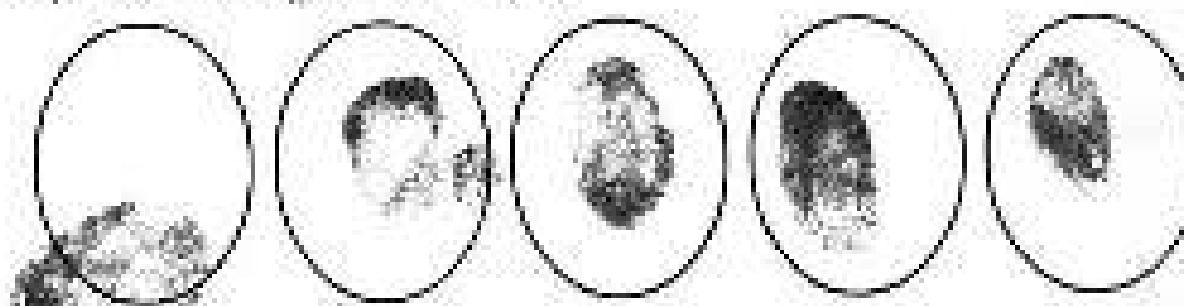
उत्तरकाशी विहारी का नाम व पाता :

उत्तरकाशी विहारी देवी लाला राम

जय राम के अंगूष्ठों इन तरह :



शाही राम के अंगूष्ठों के तरह :

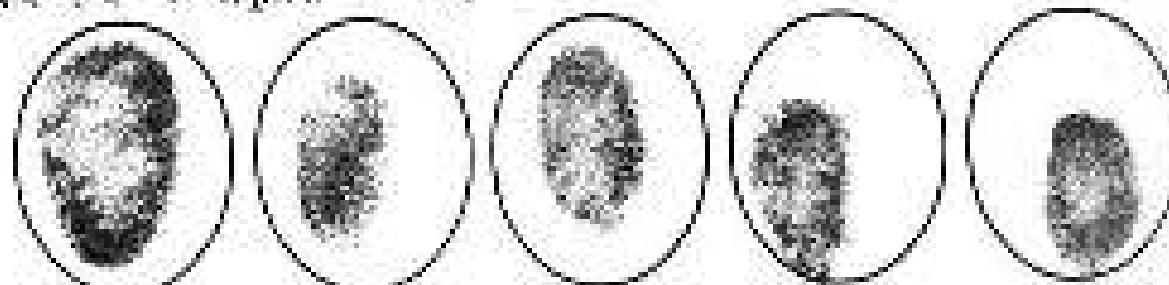


उत्तरकाशी विहारी जया

उत्तरकाशी विहारी का नाम व पाता :

उत्तरकाशी विहारी देवी लाला राम

जय राम के अंगूष्ठों के तरह :



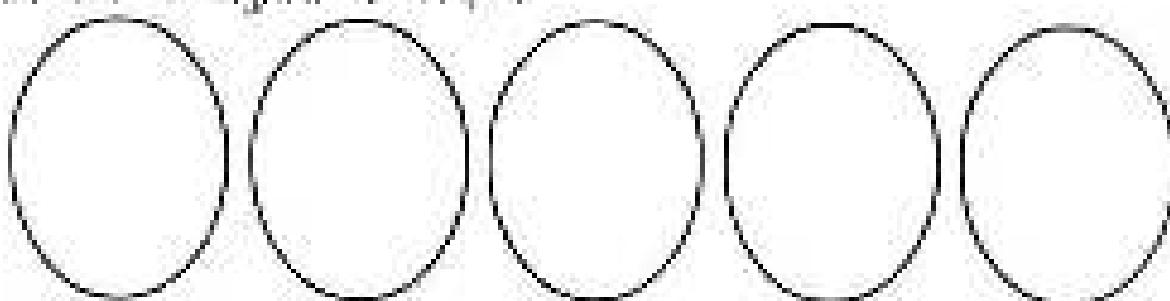
शाही राम के अंगूष्ठों के तरह :



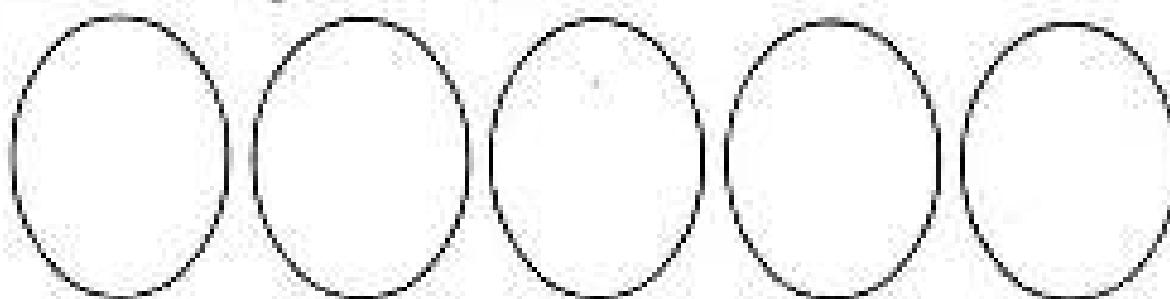
राजस्थान अधिनियम 1958 के धारा 32ए. के अनुपालन
हेतु फिल्म प्रिंट्स

प्रसूति/विहंता का नाम व जा :-

वारे हथ के अंगुलियों के चिन :



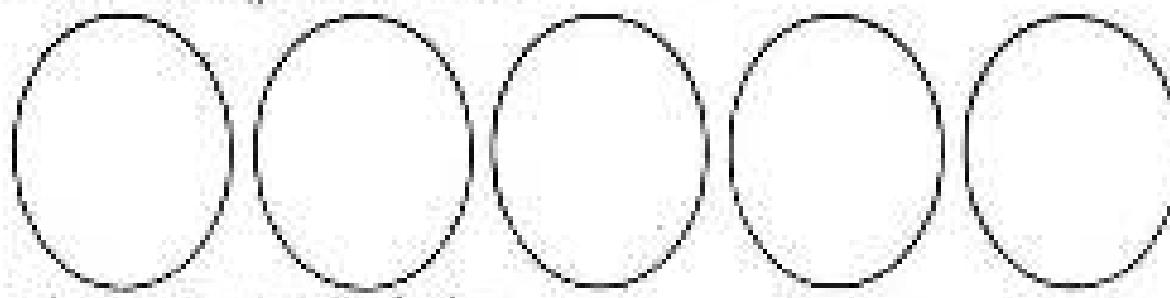
शहिन झाट के अंगुलियों के चिन :



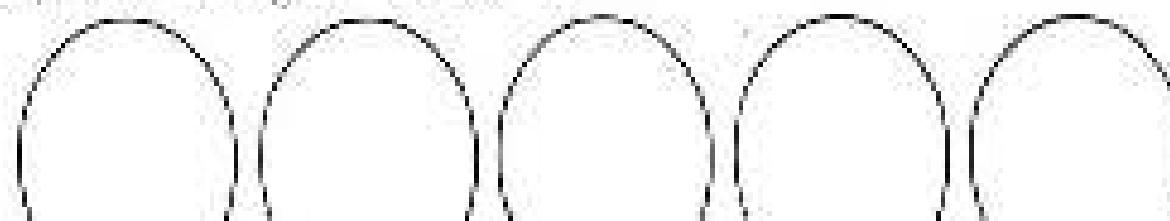
प्रसूति/विहंता/क्रेता के इसाम

प्राकृतिक/प्रिकृति का नाम व जा :-

वारे हथ के अंगुलियों के चिन :



वारे हथ के अंगुलियों के चिन :



卷之三

www.EasyEngineering.net